

सुख सरसावन (१६४)

फुल बंगले की सुहावन है

सुहावन है मन भावन है॥

फूल भरी झुक रही है डारी जिनकी सौरभ है प्यारी प्यारी
छबि हींय सुख सरसावन है॥

मोती गुलाब जाही जूही चमेली मलका माधवी लता
अलबेली

उर आनन्द उमगावन है॥

फूलों का बंगला फूलों की नैया फूल छड़ी हाथ
सजनी खिवैया

रस अनुराग बढ़ावन है॥

साई साहिब की अनूपम झांकी युगलकिशोर की अदा
है बांकी

कोटि रति काम लजावन है॥

यमुना तरंगो से देती हिलोरें नैया चल चल जन चित
चोरें

दर्शन जीअ लुभावन है॥

साई मैया को देऊं वाधाई नित्य बनी रहे छबि सुखदाई
अग जग हींअ हुलसावन है॥